

१.२.५

पत्रकाली प्रकृत दुर्ग पदकारान उपलब्धि-
 कद-कद आकाश मिलाने के काव्य-
 की श्रुति एवं उनके कामिभाषक उप-
 नदी। अतः शर्चना-पत्र अदम हाकरी
 अदम पेटवी से स्वनिज किया जाता
 ३) पत्रकाली फलल गुणा होकर प्रकृत
 बाद पत्रकाली के लक्ष्य निरंतर रहे।

३

